



# ICAR-ATARI, Kanpur Newsletter



भाकृअनुप-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, कानपुर

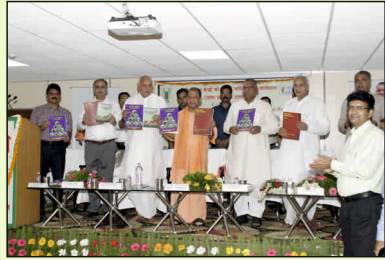
ICAR-AGRICULTURAL TECHNOLOGY APPLICATION RESEARCH INSTITUTE, KANPUR

Volume : VII

April-June, 2017

## उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखण्ड के कृषि विज्ञान केन्द्रों की 24 वीं वार्षिक क्षेत्रीय कार्यशाला

(आई.सी.ए.आर.- अटारी कानपुर द्वारा आयोजित 8-10 जून, 2017)



### माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश श्री योगी आदित्यनाथ जी



## कृषि विज्ञान केन्द्रों की 24वीं वार्षिक क्षेत्रीय कार्यशाला



कृषि विज्ञान केन्द्रों की 24वीं क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन अटारी-कानपुर द्वारा 08-10 जून 2017 को किया गया, जिसका उद्घाटन माननीय श्री योगी आदित्यनाथ जी, मुख्यमंत्री उत्तरप्रदेश के कर-कमलों द्वारा किया गया। उद्घाटन सत्र से पहले माननीय मुख्यमंत्री ने कृषि विज्ञान केन्द्रों के द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया जिसमें कृषि विज्ञान केन्द्रों ने कम लागत व कम पानी में उपयोग होने वाली कृषि तकनीकियों का प्रदर्शन किया इसके साथ ही साथ केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा आगामी योजनाओं का भी विस्तृत ब्यौरा भी दिया। इसके पश्चात माननीय मुख्यमंत्री जी ने अटारी- कानपुर के नवनिर्मित सभागार का लोकार्पण किया। इस अवसर पर प्रदेश के कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही, कैबिनेट मंत्री श्री सत्यदेव पचौरी, कृषि राज्य मंत्री श्री रणवेन्द्र प्रताप सिंह, सांसद श्री भोले सिंह, स्थानीय विधायकगण, सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति व भा.कृ.अनु.प. के निदेशकगण, विश्वविद्यालयों के निदेशक कृषि प्रसार, कृषि विज्ञान केन्द्रों के अध्यक्षगण, वैज्ञानिक व अटारी कानपुर के समस्त अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

माननीय मुख्यमंत्री जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि किसान भी किसी सरकार का एजेण्डा बन सकता है, यह पिछले 3 वर्षों में देखा गया है कि देश में हर तरह की राजनीति हुई लेकिन अब किसान को भी राजनीति से जोड़ा है। माननीय प्रधानमंत्री जी ने मृदा जाँच के द्वारा मृदा स्वास्थ्य कार्ड की जो शुरुआत की, वह शुरुआत में थोड़ी अटपटी लगी किन्तु 14 करोड़ किसानों को कार्ड उपलब्ध करा कर आज उसका महत्व एवं परिणाम हमारे समक्ष है कि किस तरह किसान भाई मृदा स्वास्थ्य कार्ड के जरिये मृदा की उर्वरा शक्ति को जान कर खेती कर रहे हैं और वाँछित लाभ भी प्राप्त कर रहे हैं। माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा विशेष रूप से चलाये जा रहे अभियान से किसानों की आय को कैसे दुगना करें, इस पर भी राज्य के कृषि वैज्ञानिकों को अपनी

भागिदारी देने के लिए प्रेरित किया। मुख्यमंत्री जी ने प्रदेश के गन्ना किसानों की तरफ ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि यदि गन्ना किसानों का ध्यान रखा जाय तो प्रदेश की चीनी मिलें सुचारू रूप से चल सकती है उन्होंने बताया कि अपने प्रदेश में 40 से ज्यादा चीनी मिलें हुआ करती थी लेकिन वर्तमान में 10 चीनी मिलें ही चालू हालत में हैं यदि गन्ना किसानों का भुगतान समय से नहीं किया गया तो इन चीनी मिलों को भी चलाना कठिन होगा। इसके लिए मुख्यमंत्री जी ने बताया कि उनकी सरकार ने गन्ना किसानों के भुगतान के लिए 22 हजार करोड़ रुपया उपलब्ध कराया जो कि पिछले वर्षों 2014-15 से बकाया चल रहा था।

इस प्रकार मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यदि गन्ना किसानों को समय पर भुगतान होता रहे तो हमारा किसान गन्ना उत्पादन में रुचि लेगा और चीनी मिलों को भरपूर मात्रा में गन्ने की उपलब्धता रहेगी। इसके साथ ही साथ माननीय ने प्रदेश में बिजली की सामान्य वितरण व्यवस्था पर भी ध्यान आकर्षण कराया। मुख्यमंत्री जी के अनुसार वैज्ञानिकों को निर्देशित किया गया कि जलवायु परिवर्तन जो कि सबसे बड़ी चुनौती बनती जा रही है उससे निपटने के लिए आप सबको कृषि में नये अनुसंधान करने की आवश्यकता है जिससे बढ़ती हुई जनसंख्या को भरपेट भोजन उपलब्ध हो सके, माननीय ने उपस्थित किसानों को भी वैज्ञानिकों का साथ देने का आवाहन किया। इस कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केन्द्रों से आवाह किया कि अच्छा काम करने पर ही कोई फायदा है तथा ज्यादा से ज्यादा रेखीय विभाग व विश्वविद्यालय मिल कर काम करें।

इस अवसर पर मा० मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा पाँच जनपदों (कुशीनगर, वाराणसी, कानपुर नगर, कानपुर देहात व गोरखपुर) के कृषकों को सम्मानित किया गया।

मा० मुख्यमंत्री जी द्वारा भाकृअनुप-अटारी के "वार्षिक प्रतिवेदन 2016-17", "कृषक आय संवर्द्धन हेतु प्रभावी तकनीकी" व दो अन्य प्रकाशनों का विमोचन किया ।

उद्घाटन सत्र में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उपमहानिदेशक डॉ. ए.के. सिंह ने कृषि विज्ञान केन्द्रों के सुदृढीकरण पर बल देते हुए माननीय मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया कि 20 नये कृषि विज्ञान केन्द्रों को खोलने के लिए राज्य सरकार ने शीघ्रता से भूमि उपलब्ध कराई है, वह सराहनीय है ।

कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही ने कृषक खेत में राज्य सरकार द्वारा किये गये फैंसलों का जिक्र करते हुए गेहूँ खरीद एवं बिजली आपूर्ति के सम्बन्ध में सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया एवं विश्वास दिखाया कि सरकार कृषक हितों का ध्यान रखते हुए निर्णय लेगी । कृषि विज्ञान केन्द्रों से अच्छा कार्य करने की अपेक्षा के साथ-साथ सुदृढीकरण के लिए शासन स्तर के समस्त सहयोग दिये जाने का आश्वासन दिया ।

इस अवसर पर प्रदेश के कृषि राज्य मंत्री रणवेन्द्र प्रताप सिंह द्वारा सभा को सम्बोधित किया और प्रदेश में गेहूँ खरीद के

सम्बन्ध में हुई प्रगति पर अपने विचार प्रस्तुत किये ।

आई.सी.ए.आर.- अटारी, कानपुर के निदेशक डॉ. यू.एस. गौतम ने कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में संस्थान के क्रियाकलापों के विषय में विस्तृत चर्चा करते हुए "उत्तर प्रदेश के कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा आय वृद्धि उपयुक्त मूल्यांकित तकनीकियाँ" के संकलन के विषय में सभा को बताया एवं किसानों की आय को दुगना करने में इस तकनीकी के प्रभावों पर भी चर्चा की ।

कार्यक्रम के अन्त में संस्थान के निदेशक डॉ. ऊधम सिंह गौतम ने सभी माननीय मुख्यमंत्री के साथ-साथ उपस्थित मंत्री, सांसदों, विधायकों एवं विश्वविद्यालयों के कुलपतियों व सभाकक्ष में उपस्थित समस्त कृषि वैज्ञानिक, प्रेस एवं मीडियाकर्मी एवं कृषक पुरुष एवं महिलाओं को धन्यवाद दिया ।

इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. एस.के. दुबे, प्रधान वैज्ञानिक एवं डॉ. अतर सिंह प्रधान वैज्ञानिक-अटारी ने किया । इस अवसर पर संस्थान के वैज्ञानिक, अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे ।



## Monitoring, Learning & Evaluation- New initiatives – CSISA & ICAR-ATARI, Kanpur



Two days planning meeting of kharif was organized jointly by ICAR-ATARI, Kanpur from 12-13 may, 2017. In this planning meeting, 12 KVKs from Bihar (8), Odisha (2) and Uttar Pradesh (2) and the team of Scientists and resource persons from CIMMYT, IRRI, CSISA and Directors of ICAR-ATARI of Patna, Kolkata and Kanpur attended the meeting. On First Day i.e. 12 May 2017 Friday technical session on Overview and planning On-Farm Experiments for Kharif 2017 was held and on the second day i.e. 13 May, 2017 four technical sessions on making the most of the KVK-CSISA collaboration session, applied science updates session, capacity development for staff and partners session and monitoring, learning, and evaluation were held. There is also a shifted in working of KVK from demonstration based- participatory method of extension to training led extension.

Dr. U.S. Gautam, Director emphasized on assessment of TOT needs and there should be focus on hands on as well as to be balanced with training materials and training modules. This meeting was steered by Dr. R.K. Malik, Dr. Andrew McDonald stated that during the last 10 years, CSISA vision of Success aimed to Increase the staple crop yields and income of million farms families in South Asia with widespread adoption of efficient and Productive agronomic practices, marked increase in the cultivation of High-yielding and Stress tolerant

Cereal cultivars, better access to information, and progressive policies and Strengthened markets that stimulate the same with results-oriented Public and private investments.

Dr. R.K. Malik shared the Performance of short duration and long duration varieties under different sowing schedules across ecologies.

Through zero-tillage mediated advance sowing of wheat and residue management of in rice wheat system. He also highlighted the changes from T & V system to ATMA in agriculture department .

## ICAR-ATARI, Kanpur organized planning meeting of Kharif-2017 for CSISA



A two day Planning meeting for *Kharif* 2017 was held during 12-13, May, 2017 at Kanpur. The experts focused on Data collection methods and random sampling for M&EL. Discussion was also made on population (farm household). Different kind of approaches were also discussed for qualitative data collection.



## ARYA Progress Report



### *Training programme on poultry and mushroom production*

Total 117 youths were covered under three enterprises namely bee keeping (37), mushroom production (50) and poultry farming (30) against the target of 200 youth in Muzaffarnagar district.

A total of four groups of youths each group comprising nine youth farmers (total 37) produced and processed the average 410 kg of honey and in total 1640 kg of processed honey were prepared by them. This resulted in the net profit of Rs 3,10,480.00 and thus each youth earning the net profit of Rs. 8391.00.

Total of 42 broiler unit were establishes each with the bird stocking of 500. The net income per bird earned was Rs 200/- and thus the net income per unit was Rs 35000/- in 40 days.

Mushroom production among 50 youths are in progress.

Total 35 youths were covered under two enterprises namely bee keeping (25), and poultry farming (10) against the target of 200 youth in Haridwar district.

Total of 10 broiler unit were established each with the bird stocking of 300. The income per bird earned was Rs 130/- and thus the net income per unit was Rs 9000/- in 40 days and each farmer continued this cycle for 6 months thus making the net profit of Rs 54000/-.

Every youth was given the unit of 15 bee hives with 4 frames of brood.

On an average, 20kg Honey was produced/colony in 4 to 5 collections. Thus about 300 kg Honey and 10 kg wax per unit was produced. Total 140 frames of brood were also produced. Thus, the average net income in nine (March-December 2016) months was = Rs. 56250.00 for each unit which included income from honey (Rs. 21,000.00), wax (Rs.3,500.00) and sale of brood frame (Rs. 42,000.00) with average cost of production/unit of Rs.10,250.00.



### *Training programme on honey bee*

## Achievements of ICAR-ATARI, Kanpur, Zone –III

### (A) Technical

Activities	Achievement
On- Farm Trials Conducted (Nos.)	121
Frontline Demonstrations Conducted (Nos.)	5930
Training of Farmers (in lakh)	0.27
Training of Extension Personnel (in Lakh)	0.025
Production of Seeds (in tons)	876.7
Production of Planting materials (in Lakhs)	1.05
Production of livestock strains and fingerlings (in Lakhs)	2.01
Soil and water samples tested (in lakhs)	0.08

- 24<sup>th</sup> Annual Zonal Workshop of KVKs of U.P. & U.K.- Chief Guest Uttar Pradesh Chief Minister Yogi Adityanath, held at ICAR-ATARI, Kanpur
- Workshop of NICRA KVKs (13 KVKs of U.P.) held at Kanpur
- Deliberation of issues of BHU KVK for its improvement at Varanasi
- IIHR Scientist ATARI Directors interface for promotion of Horticulture Entrepreneurship at Bangalore
- Workshop on Pulses Seed Hub KVKs (10 KVKs of U.P.) at Kanpur.

### (B) Administrative

- Administrative & Financial power of Rs. 50,000/- to Head of KVKs of NDUA&T, Faizabad
- Staff recruitment fulfilled of KVK Gorakhpur – II, Sitapur, Unnao

- ICAR Foundation Day and Director Conference held at NASC Delhi.
- AAO & Assistant attend meeting on Roster and Modality in Lucknow
- Workshop on functionality of ICAR-Portal for KVKs (30) at Kanpur.
- CSISA – Collaboration meeting on monitoring evaluation and learning held at ICAR-ATARI, Kanpur.

### (C) New initiatives

- Site Selection Visit at 19 Districts of Uttar Pradesh for Establishment of new/additional KVKs – Bahraich, Gonda, Jaunpur, Gazipur, Azamgarh, Sultanpur, Shamli, Muzaffarnagar, Hapur, Moradabad, Sambhal, Badaun, Kasrgganj, Lakheempur Kheri, Hardoi, Amethi, Allahabad, Raibarely, Amroha
- Under 19 KVKs 17 KVKs are in principal approved for U.P. (18 May to 05 June 2017)

- Participation of KVKs of SVP UA&T, Meerut at New Delhi
- Workshop on Animal Scientist of KVKs held at ICAR-ATARI, Kanpur
- Training to Agriculture Extension Scientist of KVKs held at ICAR-ATARI, Kanpur.

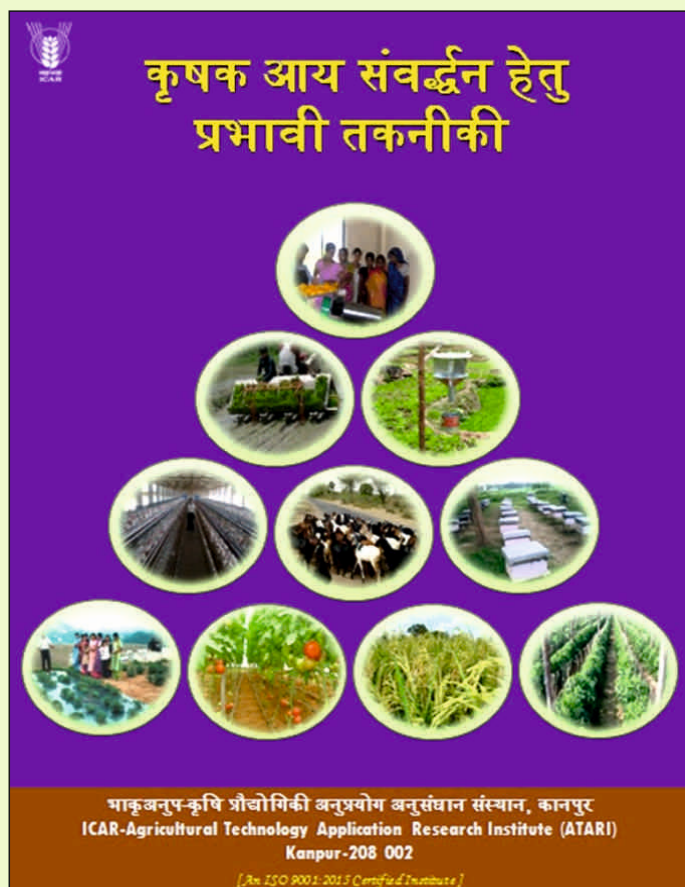
### (D) Other activities-meetings, visits etc

- Meeting of APC, DDC, VC for better functioning of U.P. KVKs held at Lucknow
- APR Review Meeting of KVKs of NDUA&T Faizabad
- APR Review Meeting of KVKs of SVP UA&T Meerut
- CSISA Kharif Planning Meeting held at Kanpur
- Meeting of Hon'ble Agriculture Minister, Chief Minister, Secretaries, DDG, Agriculture review including KVKs held at Lucknow

- AF & AO of this Institute visited ICAR for finalization of EFC in NASC Delhi
- Visit of National Consultant of Pulses and Independent Monitoring Team of CFLDs in U.P. at Kanpur
- Visit of CAG auditors to this Institute at Kanpur.

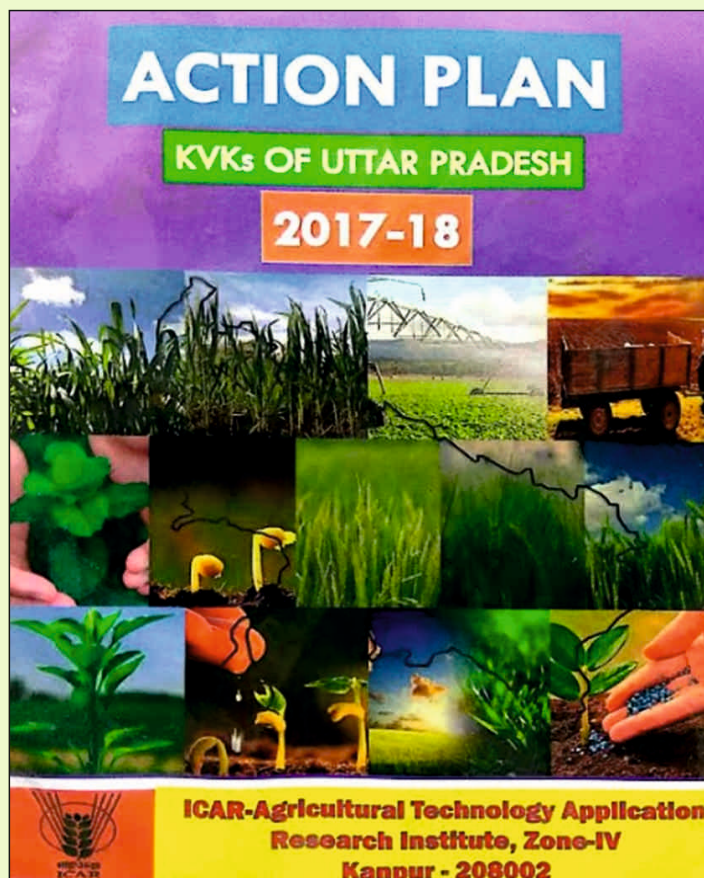
## (E) Publications

- Compilation and Publication of Annual Report 2016-17
- Five technology book for farmers for doubling income 2017
- TSP Bulletin
- Year Planner 2017-18
- Action Plan (2017-18) of KVKs, Host Institution wise



## (F) Recognition & Award

- ICAR Award (Hariom Asharam Trust Award) to Dr. S. K. Dubey, PS(AE), ATARI, Kanpur
- Jag Jivan Ram Abhinav Award given to Farmer Sh. Agaya Ram Verma under Zone-III
- Pandit Deen Dayal Upadhyay Antyoday Krishi Purashkar 2016-17 under Zone-III given to Farmer Sh. Raghupat Singh
- Pandit Deen Dayal Upadhyay Rastriya Krishi Vigyan Protsahan Purashkar 2016-17 given to KVK Gonda of ICAR-ATARI, Zone-III



## Details of on-going projects

Sl.No.	Name of Project	Funded by	Period	PI/Co PI/Associate
1.	Digitization of Krishi Vigyan Kendras (dKVK) for efficient management information system: An Action Research	Institute funded	2015-18	PI: Dr. Shantanu Kumar Dubey, PS(AE) Co-PI: Dr. U.S. Gautam, Director, Mr. S.N. Yemul, Chief Technical Officer (Computer)
2.	Improving production efficiency through situation specific farm mechanization : A diagnostic investigation	Institute funded	2015-18	PI: Dr. Shantanu Kumar Dubey, PS(AE) Co-PI: Dr. U.S. Gautam, Director, Dr. Atar Singh, PS(Agron.), Mr. S.N. Yemul, Chief Technical Officer (Computer)
3.	Developing Location Specific Livelihood Security Frontline Models Integrating With Credit & Marketing of Disadvantage District of U.P. & Uttarakhand, Zone-IV.	Institute funded	2015-18	PI: Dr. U.S. Gautam, Director Co-PI: Dr. S.K. Dubey, PS(Agril. Extn.), Dr. Atar Singh, PS(Agron.), Dr. Ajit Kr. Srivastava, RA & 21 KVKs Center (Sitapur-II, Pratapgarh, Mainpuri, Etah, Lalitpur, Chitrakoot, Varanasi, Ghazipur, Gonda, Deoria, Mirzapur, Sonbhadra, Rampur, Bareilly, Muzaffarnagar, Saharanpur, Badaun, Shahjahanpur, Uttarkashi, Pauri Garhwal, Dehradun)
4.	Externally funded project UPCAR on "Harnessing modern communication technologies for sharing of available knowledge resources with pulse growing farmers of Uttar Pradesh" in collaboration with IIPR, Kanpur	UPCAR, Lucknow	2014-17	PI: Dr. U.S. Gautam, Director Co-PI: Dr. S.K. Dubey, PS(Agril. Extn.), Dr. Atar Singh, PS(Agron.)
5.	Externally Funded Research Project under Extramural funding by ICAR on Value chain analysis of selected agribusiness enterprises in the states of Uttar Pradesh and Uttarakhand	ICAR funded	2016-17	PI: Dr. Shantanu Kumar Dubey, PS(Agril. Extn) Co-PI: Dr. U.S. Gautam, Director, Dr. R.R. Burman, PS(AE), ICAR-IARI, New Delhi, Dr. Reshma Gill, Scientist (AE), ICAR-IARI, New Delhi <u>Implementing centers and partners:</u> Dr. Rajeev Kumar Singh, SMS (Agron), KVK, Jalaun Dr. Prabhas Shukla, SMS (Agribusiness), KVK, Pratapgarh Dr. Bhupendra Kumar Singh, SMS (PP), KVK, Kannauj KVK, Champawat, Uttarakhand
6.	Extramural research project funded by ICAR on "Determinants of Adoption and Socio-economic Impact of NARS technologies in Indo-Gangetic Plains	ICAR funded	2016-17	PI: Dr. R. Roy Burman, PS(AE); Co-PI: Dr. S.K. Dubey, PS(AE)
7.	Inter-institutional research project on "Combating Drudgery for Enhancing Farm Women's Efficiency in Different Agro-climatic of Uttar Pradesh and Uttarakhand.	Institute funded	2015-18	PI: Dr. U.S. Gautam, Director; Co-PI: Dr. S.K. Dubey, PS(AE)
8.	National Initiatives on Climate Resilient Agriculture (NICRA)	ICAR funded	2017-20	PI: Dr. U.S. Gautam, Director Co-PI: Dr. Atar Singh, PS(Agron), Dr. S.K. Dubey, PS(Agril. Extn.)
9.	Attracting Rural Youths in Agriculture (ARYA)	ICAR funded	2017	PI: Dr. U.S. Gautam; Co-PI: Dr. S.K. Dubey, Dr. Atar Singh, PS(Agron)
10.	Cluster Front Line Demonstrations	ICAR funded	2017	PI: Dr. U.S. Gautam; Co-PI: Dr. S.K. Dubey, Dr. Atar Singh, PS(Agron)

**Published by**

**Director, ICAR-Agricultural Technology Application Research Institute, Kanpur -208 002**

**Chief Editor : Dr. U.S. Gautam, Director**

**Editors:** Dr. Atar Singh, Principal Scientist (Agron), Dr. S.K. Dubey, Principal Scientist (AE),  
Mr. Yemul Sanjeev N., Chief Technical officer

**Assistance :** Dr. Ajit Kr Srivastava, RA(ARYA), Maneesh Kumar Singh, Mr. Avanish K. Singh, Mr. Chandan Singh, Mr. V. D. Shukla & Mr. K.K. Bajpai, Vishal Kr. Singh  
**Phone :** 0512-2533560, 2554746 Fax: 0512-2533560; email: zpdicarkanpur@gmail.com, website: <http://atarik.res.in>